

प्रेषक,

मनीषा पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 27 सितम्बर, 2010

विषय: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, चडीगांव, पौड़ी के 44 शैय्या युक्त छात्रावास भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

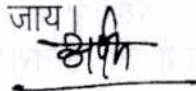
महोदया,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5ख(2)/52428/जि0शि0प्र0सं0/2010-11; दिनांक: 19 जुलाई, 2010 के संबंध में एवं शासनादेश संख्या: 389/XXIV-3/06/02(72)06, दिनांक: 23 जुलाई, 2006 तथा शा0सं0: 1394/XXIV-3/07/02(72)06, दिनांक: 31.10.07 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, चडीगांव, पौड़ी में 44 शैय्या युक्त छात्रावास भवन के निर्माण हेतु पुनरीक्षित आगणन की औचित्यपूर्ण लागत रू0 120.57 लाख पर वित्तीय एवं प्रशासकीय अनुमोदन प्रदान करते हुए पूर्व में स्वीकृत धनराशि रू0 70.00 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रू0 50.57 लाख (रूपये पचास लाख सतावन हजार मात्र) की धनराशि को शासनादेश संख्या: 1261/XXIV-3/10/02(16)2010; दिनांक: 13 सितम्बर, 2010 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 100.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. उक्त कार्य के संबंध में कार्यदायी संस्था से वित्त विभाग के शासनादेश सं0 475/XXVII(07)2008 दि0 15.12.08 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर एम.ओ.यू. अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जाय एवं निर्धारित समयसारिणी के अनुसार कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराकर भवन हस्तगत करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

2. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है. स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।



4. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर निय-सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।
5. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मद्देनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
6. कार्य कराने से पूर्व स्थल की भली भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) भलीभांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप कार्य कराया जाए।
7. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
8. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
9. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारंभ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
10. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से अनुपालन कराया जाना सुनिश्चित करें।
2. उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याक्षा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।
2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय -01-सामान्य शिक्षा -202-माध्यमिक शिक्षा-00-आयोजनागत -19 - जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों का भवन निर्माण -24-वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 505(P)XXVII(3)/2010 दिनांक: 21सितम्बर,2010 द्वारा प्रदत्त सहमति के अनुक्रम में जारी किये जा रहे हैं।

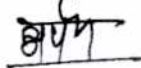
भवदीया,

(मनीषा पंवार)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1501(1)/XXIV-3/10/02(72)05, तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा0 मंत्री, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।



4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निजी सचिव, सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
6. मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी।
7. अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी।
8. जिलाधिकारी, पौड़ी।
9. कोषाधिकारी, पौड़ी।
10. बजट एवं राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
11. प्राचार्य, डायट/जिला शिक्षा अधिकारी, पौड़ी।
12. वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ।
13. संबंधित निर्माण एजेंसी
14. कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग) उत्तराखण्ड शासन
- ✓ 15. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून
16. गार्ड फाइल।

अपना

आज्ञा से
(पी0एल0शाह)
उपसचिव।